

Folio 20 → = Codexseite 179: Apg 7,32-41.

*Vom erhaltenen Ende des Blattes 20 ↓ (Codexseite 178) bis zum korrekten Beginn des Blattes 20 → (Codexseite 179) fehlt Apg 7,21-32.
Beginn der Seite korrekt.*

Platzierung des erhaltenen Textes hypothetisch.

[ροθ]

Stichometrie

| | | | | | |
|----|-----------------|---------------------------------------|--|--|----|
| 01 | ουκ ετολμα]κατ | ΑΝΟΗΣΑΙ' | ^{7,33} ΕΙΠΕ ΔΕ Α | [υτωι ο ⁻⁻⁻ κς λυσον το υποδημα των ποδων | 55 |
| 02 | ο γαρ τοπος] | ΕΦ Ω ΕΣΤΗΚΑΣ | ΓΗ ΑΓΙ | [α εστιν ³⁴ ιδων ειδον την κακωσιν του | 52 |
| 03 | λαου μου το] | Υ ΕΝ ΑΙΓΥΠΤΩι' | ΚΑΙ ΤΟΥ | [στεναγμου αυτων ηκουσα και κατ- | 52 |
| 04 | εβην εξελεσ] | ΘΑΙ ΑΥΤΟΥΣ ΚΑΙ ΔΕΥΡΟ ΑΠ | [οστειλω σε εις αιγυπτον ³⁵ τουτον | 55 | |
| 05 | τον μωυσην] | ΟΝ ΗΡΝΗΣΑΝΤΟ ΕΙΠΟΝΤ | Τ | [ες τις σε κατεστησεν αρχοντα | 50 |
| 06 | και δικαστ] | ΗΝ ΤΟΥΤΟΝ Ο ⁻⁻⁻ ΘΣ ΑΡΧΟΝΤΑ | Α | [και λυτρωτην απεσταλκεν συν | 51 |
| 07 | χειρι αγγελ] | ΟΥ ΤΟΥ ΟΦΘΕΝΤΟΣ ΑΥΤΩι | [εν τη βατωι ³⁶ ουτος εξηγαγεν αυτ- | 54 | |
| 08 | ους ποιησα] | Σ ΤΕΡΑΤΑ ΚΑΙ ΣΗΜΕΙΑ ΕΝ | [γην αιγυπτωι και εν ερυθραι θα- | 52 | |
| 09 | λασσηι και ε] | Ν ΤΗι ΕΡΗΜΩι ΕΤΗ ⁻⁻⁻ Μ· | ³⁷ ΟΥΤ | [ος εστιν ο μωυσης ο ειπας τοις | 51 |